



Vishal

17 Aug 1987

10:26 PM

Sagar

Model: web-freelalkitab

Order No: 121337602

## लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।  
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 17/08/1987  
दिन \_\_\_\_\_: सोमवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 22:26:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 40:53:16 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Sagar  
राज्य \_\_\_\_\_: Madhya Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

दादा का नाम \_\_\_\_\_:  
पिता का नाम \_\_\_\_\_:  
माता का नाम \_\_\_\_\_:  
जाति \_\_\_\_\_:  
गोत्र \_\_\_\_\_:

अक्षांश \_\_\_\_\_: 22:38:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 75:40:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:27:20 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 21:58:40 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:04:11 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 19:40:49 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:04:41 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:57:54 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:53:13 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 00:34:11 सिंह  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 08:58:47 मेष

चैत्रादि संवत / शक \_\_\_\_\_: 2044 / 1909  
मास \_\_\_\_\_: भाद्रपद  
पक्ष \_\_\_\_\_: कृष्ण  
सूर्योदय कालीन तिथि \_\_\_\_\_: 9  
तिथि समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 27:52:15  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 9  
सूर्योदय कालीन नक्षत्र \_\_\_\_\_: कृतिका  
नक्षत्र समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 10:37:56 घंटे  
जन्म नक्षत्र \_\_\_\_\_: रोहिणी  
सूर्योदय कालीन योग \_\_\_\_\_: ध्रुव  
योग समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 10:27:26 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_: व्याघात  
सूर्योदय कालीन करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
करण समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 15:04:22 घंटे  
जन्म करण \_\_\_\_\_: गर  
भयात \_\_\_\_\_: 29:30:08  
भभोग \_\_\_\_\_: 65:35:48  
भोग्य दशा काल \_\_\_\_\_: चंद्र 5 वर्ष 5 मा 22 दि

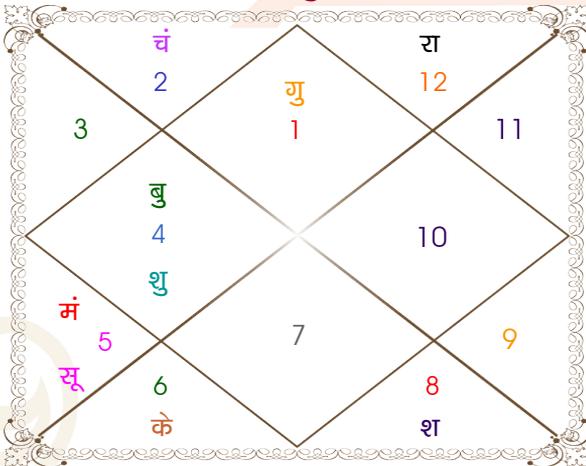
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मेष	08:58:47	---	--	--	--	नेक
सूर्य	सिंह	00:34:11	मूलत्रिकोण	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	वृष	16:01:40	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक
मंगल	सिंह	03:03:29	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	कर्क	27:54:29	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	मेष	06:02:20	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	कर्क	29:02:28	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	व वृश्चिक	20:51:07	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	व मीन	09:28:36	सम राशि	--	--	--	नेक
केतु	व कन्या	09:28:36	शत्रु राशि	--	हाँ	--	मन्दा

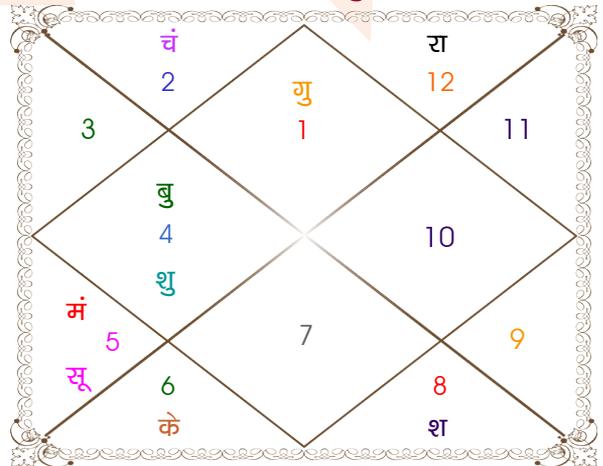
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली



## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पांचवे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप पढ़ाई में तेज, उच्चशिक्षित, सत्ता पक्ष से लाभ-प्राप्त करेंगे। सुखी माता-पिता से युक्त, अपने घर का भाग्य जगाने वाले, संतान सुख मिलेगा। आप सेवक पुत्र के पिता होंगे। पुत्र प्राप्ति के बाद परिवार में तरक्की होगी। आप सबको साथ लेकर आगे बढ़ने वाले और शूरवीर होंगे, बुढ़ापा सुख से बीतेगा। सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध रखेंगे। यदि राजा सहायक न हो तो फकीर से आपका भला होगा। पारिवारिक उन्नति होगी। पौत्र के जन्म के बाद माली हालात अच्छी हो जाएगी। औलाद की वृद्धि होगी, बुढ़ापे में हर तरह का आराम मिलेगा। मां-बाप का सुख लंबे समय तक मिलेगा। जिंदगी आराम से गुजरेगी। 42 से 47 साल की आयु तक शुभ फल होगा। ज्यों-ज्यों आयु बढ़ेगी, आप का रुतबा अच्छा होता जायेगा। आपको सरकारी विभाग से मान-सम्मान मिलेगा, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया या बुरे काम किये, संतान से झगड़ा किया सरकारी विभाग से बेईमानी की या झूठ बोलने की आदत होगी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर पेट पर पड़ेगा और आपका स्वभाव क्रोधी होगा। पत्नी छोड़े या मर जाए या दूसरी शादी भी हो सकती है, ऐसा शक है। स्त्री की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। स्त्री द्वारा अपमानित भी होना पड़ सकता है। लड़के पर भी बुरा असर हो सकता है। काफी दुःखों का सामना करना पड़ सकता है। औलाद की आर्थिक हालात पर बुरा असर होगा। ननिहाल के लिए अशुभ फल रहेगा। झूठ और बेईमानी से धन हानि का भय और दीर्घ रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ से दूर रहें।
2. किसी के प्रति मन में ईर्ष्या न रखें।

उपाय :

1. बुजुर्गी रस्मों-रिवाज बन्द न करें।
2. साला, जीजा, दोहते या भांजे में से तीन की सेवा करें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से यह आपके भाग्य को जगाता है। धन-संपदा से संपन्न रहेंगे। आपके वंश की वृद्धि होगी। पैतृक सुख और संपत्ति से पूरे रहेंगे। आपके घर में लक्ष्मी की वृद्धि होगी। आपको जद्दी-जायदाद और विरासत का हिस्सा अवश्य मिलेगा। आपको वृद्धावस्था में सभी शुभ फल अवश्य मिलेंगे। बुढ़ापे में

सुखकारक समय होगा। आपको भाई का सुख अवश्य मिलेगा। आप सफल प्रेमी होंगे। आप धनवान और उच्चाधिकारी बनेंगे। आपके ससुराल की माली-हालत अच्छी होगी। पिता और ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ मिलता है। 48 वर्ष आयु तक माता का सुख मिलता है। परिवार में किसी के जुड़वा बच्चे भी पैदा हो सकते हैं। सफेद चीजों (चावल-चांदी, दूध आदि) से अधिक लाभ मिल सकता है।

यदि आपने बूढ़ी स्त्री या माता का अपमान किया, ससुराल वालों को तंग करके धन प्राप्त किया, मांस-मदिरा का सेवन किया, घर में मंदिर बना कर पूजा-पाठ किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से 25 और 34 वर्ष की आयु में गरीबी का सामना करना पड़ सकता है। आप दुनियावी प्रेम संबंधों के कारण बर्बाद हो सकते हैं। आपको संतान में विघ्न या संतान का सुख देर से मिलेगा। आपको बहन का सुख नहीं मिले ऐसा संभव है। बहन-बेटी या परिवार की किसी लड़की को मिरगी का दौरा पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर के मंदिर में शिवलिंग, मूर्तियां, घंटी, शंख आदि न रखें।
2. शराब और मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. माता या बूढ़ी स्त्री के पैर छूकर आशीर्वाद लें।
2. माता से चावल-चांदी, सफेद कपड़े की थैली में लेकर पास रखें।